>

Title: Shortage of power in Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से पूरे देश के अंदर विद्युत की भारी कटौती की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। लगभग 17 करोड़ की आबादी उस प्रदेश में निवास करती है। लेकिन उत्तर प्रदेश के अंदर विद्युत की इतनी भारी कटौती है कि महानगरीय क्षेत्रों में जहां पहले शासन ने घोषित किया था कि हम 18 से 20 घंटे तक बिजली देंगे, वहां बमुश्किल 6 से 8 घंटे तक बिजली मिल पा रही है, वह भी उस समय जबकि नागरिक आवश्यकताओं की कमी होती है। प्रात: काल बिजली कटौती हो जाती है, दोपहर में बिजली कटौती हो जाती है, सांय को बिजली कटौती हो जाती है, रात्रि में 12 से 4 बजे तक बिजली कटौती हो जाती है।...(व्यवधान) पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त है, बेहाल है, यहां तक कि आम नागरिक परेशान है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि पावर ग्रिड कार्पोरेशन द्वारा राज्यों को जो विद्युत दी जानी चाहिए, उसमें किसी भी प्रकार का भेदभाव न बरता जाए, खासतौर से गोरखपुर जैसे महानगर में, जो प्रदेश के आठ प्रमुख महानगरों में से एक है। वहां कुल 6 से 8 घंटे की विद्युत आपूर्ति हो पा रही है, जबकि ताला विद्युत परियोजना जो एनडीए सरकार के समय प्रारंभ हुई थी, लगभग दो हजार मेगावाट की बिजली भूटान और पूर्वोत्तर राज्यों से दिल्ली तक पहुंचनी थी, उसका एक सब-स्टेशन गोरखपुर में भी बना हुआ है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सैंटर के बारे में बोलिए।[N1]

महोदय, पावर ग्रिड कारपोरेशन भारत सरकार का संगठन है और उसने अपना एक सब-स्टेशन वहां स्थापित किया है। वहां पर न तो नागरिकों को बिजली की आपूर्ति हो पा रही है और न ही उद्योग-धंधों को बिजली मिल पा रही है। अगर उद्योग-धंधों को बिजली की आपूर्ति नहीं होगी तो स्वाभाविक रूप से उनके कार्य प्रभावित होंगे, उनकी कार्यप्रणाली पर असर पड़ेगा। आज यही स्थिति वहां बनी हुई है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करूंगा कि पावर ग्रिड कारपोरेशन ने गोरखपुर में एक सब-स्टेशन बनाया है। आज लगभग 1,000 मेगावाट से अधिक बिजली ताला विद्युत परियोजना के माध्यम से आ रही है। उसकी आपूर्ति पूर्वी उत्तर प्रदेश, खास तौर से गोरखपुर महानगर के लिए की जाए। महानगरीय क्षेत्रों में जो 18 से 20 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 14 घंटे बिजली आपूर्ति के लिए शासन ने पूर्व में जो अपनी नीति घोषित की थी, उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, जिससे आम जनजीवन इससे अप्रभावित रहे, आम नागरिकों के जीवन और उद्योग-धंधों पर इसका जो असर पड़ रहा है, उससे उनको बचाया जा सके।

SHRI S.K. KHARVENTHAN (PALANI): Sir, I want to raise about the Panchayati Raj Convention which is going to be held.

MR. SPEAKER: If you are so anxious, you have to go somewhere else to raise it. You can raise it here only with my permission. I would have called you next but I will not do it. I will do it later. Now Shri Hannan Mollah may speak.